



Lalit

28 Apr 1987

08:20 AM

Agra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121780109

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 28/04/1987
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 08:20:00 घंटे
इष्ट _____: 06:33:09 घटी
स्थान _____: Agra
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 27:09:00 उत्तर
रेखांश _____: 78:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 08:02:00 घंटे
वेलान्तर _____: 00:02:25 घंटे
साम्पातिक काल _____: 22:24:12 घंटे
सूर्योदय _____: 05:42:44 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:48:55 घंटे
दिनमान _____: 13:06:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 13:37:33 मेष
लग्न के अंश _____: 25:52:50 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृष - शुक्र
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: भरणी - 1
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: आयुष्मान
करण _____: किंस्तुघ्न
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गज
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृष

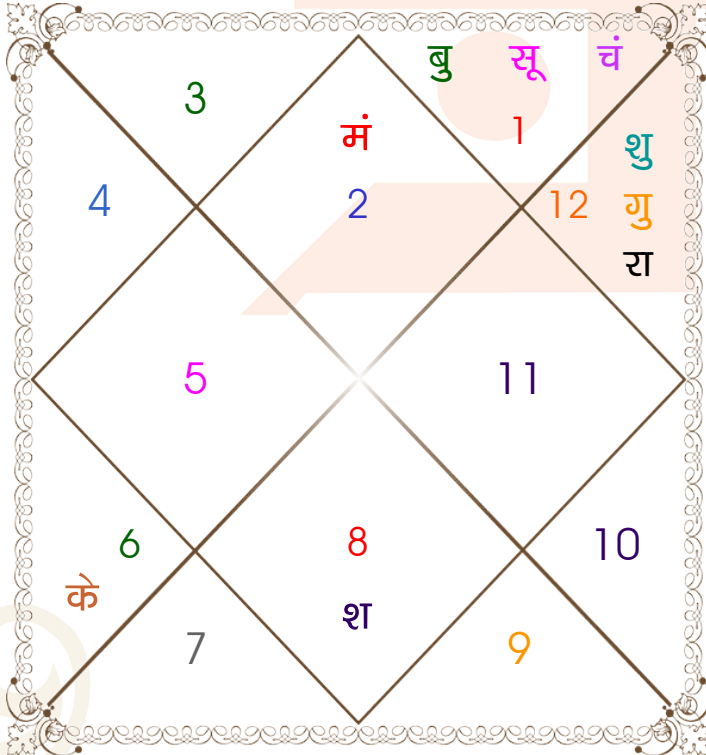
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	25:52:50	348:32:56	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			मेष	13:37:33	00:58:22	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			मेष	14:14:59	12:50:40	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृष	21:14:21	00:39:37	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध	अ		मेष	03:15:46	01:58:24	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु			मीन	19:47:56	00:13:53	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मीन	12:53:30	01:12:26	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि	व		वृश्चि	26:51:41	00:02:36	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	17:45:01	00:02:47	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	17:45:01	00:02:47	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	02:44:49	00:01:18	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप	व		धनु	14:14:10	00:00:35	पूर्वाषाढा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	14:56:37	00:01:42	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	10:29:15	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

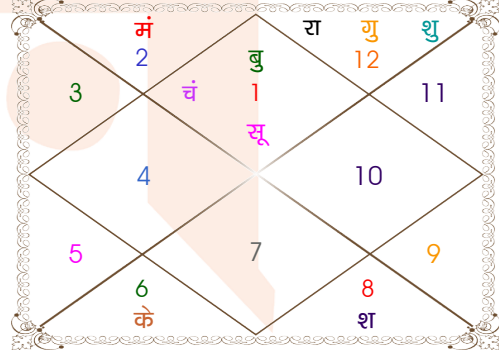
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:43

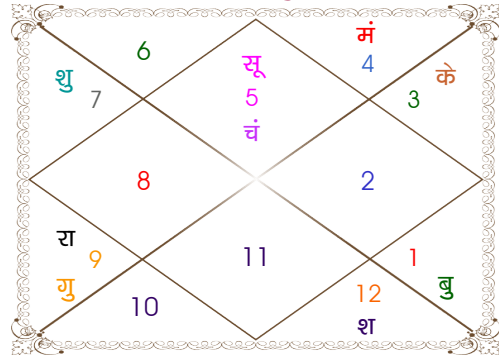
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 7 मास 15 दिन

शुक्र 20 वर्ष 28/04/1987 12/12/2005	सूर्य 6 वर्ष 12/12/2005 12/12/2011	चंद्र 10 वर्ष 12/12/2011 12/12/2021	मंगल 7 वर्ष 12/12/2021 12/12/2028	राहु 18 वर्ष 12/12/2028 12/12/2046
शुक्र 12/04/1989	सूर्य 31/03/2006	चंद्र 12/10/2012	मंगल 10/05/2022	राहु 25/08/2031
सूर्य 13/04/1990	चंद्र 30/09/2006	मंगल 13/05/2013	राहु 28/05/2023	गुरु 17/01/2034
चंद्र 12/12/1991	मंगल 05/02/2007	राहु 12/11/2014	गुरु 03/05/2024	शनि 23/11/2036
मंगल 10/02/1993	राहु 31/12/2007	गुरु 13/03/2016	शनि 12/06/2025	बुध 13/06/2039
राहु 11/02/1996	गुरु 18/10/2008	शनि 12/10/2017	बुध 09/06/2026	केतु 30/06/2040
गुरु 12/10/1998	शनि 30/09/2009	बुध 13/03/2019	केतु 06/11/2026	शुक्र 01/07/2043
शनि 12/12/2001	बुध 06/08/2010	केतु 12/10/2019	शुक्र 06/01/2028	सूर्य 25/05/2044
बुध 12/10/2004	केतु 12/12/2010	शुक्र 12/06/2021	सूर्य 13/05/2028	चंद्र 24/11/2045
केतु 12/12/2005	शुक्र 12/12/2011	सूर्य 12/12/2021	चंद्र 12/12/2028	मंगल 12/12/2046

गुरु 16 वर्ष 12/12/2046 12/12/2062	शनि 19 वर्ष 12/12/2062 12/12/2081	बुध 17 वर्ष 12/12/2081 12/12/2098	केतु 7 वर्ष 12/12/2098 13/12/2105	शुक्र 20 वर्ष 13/12/2105 00/00/0000
गुरु 29/01/2049	शनि 15/12/2065	बुध 09/05/2084	केतु 10/05/2099	शुक्र 29/04/2107
शनि 13/08/2051	बुध 24/08/2068	केतु 07/05/2085	शुक्र 10/07/2100	00/00/0000
बुध 17/11/2053	केतु 03/10/2069	शुक्र 07/03/2088	सूर्य 15/11/2100	00/00/0000
केतु 24/10/2054	शुक्र 02/12/2072	सूर्य 11/01/2089	चंद्र 16/06/2101	00/00/0000
शुक्र 24/06/2057	सूर्य 14/11/2073	चंद्र 12/06/2090	मंगल 12/11/2101	00/00/0000
सूर्य 13/04/2058	चंद्र 16/06/2075	मंगल 10/06/2091	राहु 01/12/2102	00/00/0000
चंद्र 13/08/2059	मंगल 25/07/2076	राहु 27/12/2093	गुरु 07/11/2103	00/00/0000
मंगल 18/07/2060	राहु 01/06/2079	गुरु 03/04/2096	शनि 16/12/2104	00/00/0000
राहु 12/12/2062	गुरु 12/12/2081	शनि 12/12/2098	बुध 13/12/2105	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 7 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नहीं है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यरंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृत्ति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नहीं करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते हैं ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त हैं। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते हैं। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगों की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

